



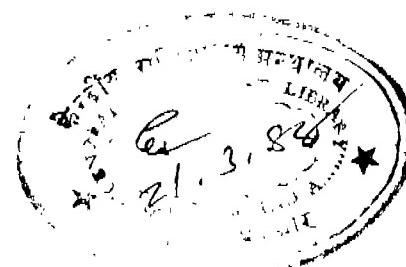
भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 233]

नई विली, उम्मीदवार, नवम्बर 21, 1987/कार्ति 30, 1909

No. 233]

NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 21, 1987/KARTIKA 30, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असाधारण के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यिक और प्रशिक्षण विभाग

नई विली, 21 नवम्बर, 1987

नियम

सं. 6/13/87-के, मे. (1):—निम्नलिखित सेवाओं/वर्तों में रिक्तियों
को भरने के प्रयोग के लिए वर्ष 1988 में संघ सोक सेवा आयोग द्वारा
सहायता प्रेषण परीक्षा 1987 के लिए सों जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के
नियम आम जागरूकी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं:—

(1) भारतीय विदेश सेवा (व) के समान्य संदर्भ का प्रेष-4
सहायक;

(2) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा का सहायक प्रेष;

(3) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक प्रेष;

(4) सपात्र सेना मुख्यालय विविल सेवा का सहायक प्रेष; और

(5) भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों और सम्बद्ध कार्यालयों
में संशयकों के पद जो भारतीय विदेश मेत्रा (व) रेलवे बोर्ड सचिवालय
सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/मरम्मत सेना मुख्यालय विविल सेवा में सम्मिलित
नहीं हैं।

1. कोई भी उम्मीदवार उपर की किसी एक या अधिक सेवाओं/
पर्वों के लिए प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकता है।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की
संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों
तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा
निश्चित रिक्तियों को देखते हुए आरंभित रखे जाएंगे।

3. संघ सोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिपालन-1
में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जाएंगे।

4. उम्मीदवार को या तो—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिए; या यह

(ब) नेपाल की प्रजा; या

(ग) भूटान की प्रजा; या

(ज) ऐता तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की
इच्छा से पहली घनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो;
या

(४) कोई भारत मूल का विभिन्न जो भारत में स्थायी रूप से होने की इच्छा से पाकिस्तान, अर्मी, थीलंका और कीनिया, उंगाड़ा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और जंजी-बार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जामिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया और विहरनाम से आया हो।

परन्तु (अ), (ग), (ज) और (इ) देशों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया गान्धी-प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिनके लिए पालता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिये जाने पर ही दिया जायेगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो, उसे तीन प्रयास से अधिक की अनुमति महीनी जाएगी। यह प्रतिवर्ष वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

टिप्पणी- 1. यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवामों/पदों के लिए प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा हो तो इस नियम के प्रयोजन के लिए भान लिया जाएगा कि वह उस परीक्षा के अंतर्गत आने वाली सब सेवामों/पदों के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी- 2. यदि कोई उम्मीदवार बस्तुतः एक या अधिक विषयों में बैठा हो तो यह भान लिया जायेगा कि वह परीक्षा के लिए एक प्रयास कर चुका है।

टिप्पणी- 3. उम्मीदवार के परीक्षा में उपस्थित होने की उम्मेद द्वारा दिया गया एक अवसर गिना जायेगा जाहे वह परीक्षा हेतु अपेक्ष्य ठहरा दिया जाये। उसकी उम्मीदवारी एक कर वी जाएगी।

6.(क) इस परीक्षा में बैठने के लिए आवश्यक यह है कि 1 जनवरी, 1987 को उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की हो चुकी हो किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु न हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1962 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1967 के बाये न हुआ हो।

(ज) भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों तथा साथ में संबंध रखने वाले के प्रशासकों के अधीन विभागों/कार्यालयों या चूक आयोग और केन्द्रीय सतर्कता आयोग के कार्यालयों या लोक सभा/दायर सभा सचिवालय में कम से कम 3 वर्ष की लगातार तथा नियमित सेवा पहली जनवरी, 1987 तक कर लेने वाले सोअर डिवीजन कलाकों/अपर डिवीजन कलाकों/स्टेनोग्राफरों, घेस 'ब' के मामले में 30 वर्ष की आयु तक ढील दी जा सकेगी।

ऐसे पदों पर कार्य कर रहे उम्मीदवार जिनका पवनाम लोअर डिवीजन कलाकों/अपर डिवीजन कलाकों/स्टेनोग्राफर, घेस 'ब' नहीं है, इस उपनियम के अंतर्गत आयु में छूट पाने के पाल नहीं होंगे भले ही उनके द्वारा आवश्यक पद समान बेतनमाम के हो/नहीं न हो।

(ग) कपर बताई गई अधिकतम आयु-सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढील दी जा सकती है—

(1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो, तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(4) यदि उम्मीदवार थीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रस्तावित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत थीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(5) यदि उम्मीदवार थीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रस्तावित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-थीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(6) यदि उम्मीदवार बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित भादिम जाति का हो और बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(8) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया उंगाड़ा, तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व संगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो, या जामिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और भारत सरकार में वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कीनिया, उंगाड़ा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार) से प्रव्रजन किया हो या जामिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारत मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(10) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अणांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के कालस्थल सेवा से मृत्यु किये गए रक्षा कामिकों के लिए जो अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(11) किसी दूसरे देश के साथ संबंध में या किसी अणांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के कालस्थल सेवा से निर्वास्त किये गये ऐसे रक्षा कामिकों के लिए जो अनुसूचित जनजाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिनके पास भारतीय परिवार हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विषयतामा में भारतीय राजनीतावाच द्वारा जारी किया गया आया अप्राप्त प्रमाण-पत्र है और जो विषयतामा से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

- (13) यदि उम्मीदवार निको अनुसूचित जनजाति का हो और विवेताम से धर्मतुदः प्रत्यावरित भारत मूलक व्यक्ति हो (जिसके पास भारतीय पात्रता हो) और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास विवेताम में भारतीय राजदूतवाला द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-पत्र हो और उसे विवेताम से जुलाई, 1973 के बाद भारत आया हो तो उसके लिए अधिक से अधिक छाठ वर्ष तक।
- (14) जिन भूतपूर्व सेनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1987 को कम से कम 5 वर्ष की सेनिक सेवा की है और जो (i) कावाचार या अक्षमता के आधार पर वर्वास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं, इनमें वे भी समिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 87 को छः महीनों के अंदर पूरा होना है या (ii) सेनिक सेवा से हुई शारीरिक अपरंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व सेनिकों और कमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1987 को कम से कम पांच वर्ष की सेनिक सेवा की है और जो कावाचार या अक्षमता के आधार पर वर्वास्त न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें वे भी समिलित हैं जिनका कार्यकाल 1 जनवरी, 87 को छः महीनों के अंदर पूरा होना है या (ii) सेनिक सेवा से हुई शारीरिक अपरंगता या (iii) अक्षमता के कारण कार्यमुक्त हुए हैं तथा जो अनुसूचित जनजातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक चार वर्ष तक।
- (16) आपातकालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष, जिन्हें 1 जनवरी, 87 को सेनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और उसके बाद सेनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा वंशालय को एक प्रमाण-पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।
- (17) अनुसूचित जाति अवका अनुसूचित जनजाति के ऐसे आपात-कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्हें 1-1-87 को सेनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और उसके बाद सेनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा वंशालय को एक प्रमाण पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिए आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।
- (18) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन परिवर्ती पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवर्जन कर भारत आया था तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।
- (19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति या है और तत्कालीन परिवर्ती पाकिस्तान से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवर्जन कर भारत आया है तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

- (20) यदि कोई उम्मीदवार 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1980 तक सामाजिक भवन यज्ञ में रहे हैं तो उसके लिए अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।
- (21) वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति अवका अनुसूचित जनजाति के हैं और 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक सामाजिक भवन यज्ञ में रहे हैं, उनके लिए अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी :- भूतपूर्व सेनिकों और कमीशन के पुनर्नियोजन के लिए वे जाने वाले सुविधाएं प्राप्त करके पहले से ही सिविल सेवा में सरकारी सेवा में फार्मरत हैं जो नियमावली के नियम 6(g) (14) और (15) के अधीन आवेदन करने के पाल नहीं हैं।

कार की गई अवस्था की छाक्कर नियाँरिल आयु सीमा में किसी भी हालत में कूट नहीं हो जा सकती।

टिप्पणी :- जिस उम्मीदवार को नियम 6(ब) के अधीन परीक्षा में प्रवेश न दिया हो उनकी उम्मीदवारी यह कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाव सेवा से एवं पत्र वे देता है या विभाग द्वारा उनकी सेवाएं मामल कर दी जाती हैं जिन्हें आवेदन पत्र भेजने समय यदि उसकी सेवा या पत्र से छंटनी हो जाती है तो वह पत्र नहीं बना रहेगा। जो लोग डिवीजन कलर्क/प्रपर डिवीजन कलर्क/स्टेनोग्राफर, येड "प" सभाम प्राविकारी का अनुमोदन लेकर किसी संवर्ग वाल्हु पत्र पर प्रतिनियुक्त है या जिनका किसी अन्य पत्र पर स्वानामतरण हो जाता है किन्तु जिस पत्र पर से स्वानामतरित हुआ है उस पर उसका लियन बना रहता है वह यदि अवस्था उपयुक्त हुआ तो परीक्षा में प्रवेश का पाल बना रहेगा।

2. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान सभा भूल द्वारा नियमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्वाप्ति या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1963 के खण्ड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा संस्था की किसी ही नहीं आवाहित।

टिप्पणी :- 1. ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त व्यावसायिक और तकनीकी डिप्री के समर्पण ही रखने वाले उम्मीदवार इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पाल नहीं होंगी।

टिप्पणी :- 2. कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए योग्यता रूप से पाल होगा परन्तु उसे परीक्षा फल को सुखना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करने का पाल नहीं होगा।

टिप्पणी :- 3. विशेष परिस्थितियों में संघ सोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पाल मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अहंताओं में से कोई अहंता न हो यानि कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा भी गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर सी हो जिसका स्वर आयोग के इच्छानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

4. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप में काम कर रहे हों, वाहे जो किसी काम के लिए नियमित रूप से नियुक्त भी वर्षों न हुए वह आकस्मिक या दैनेक वर्ष नियुक्त न हुए हो या जो

जोके उच्चमों के अधीन कार्यरत हैं उन सब को इस आयोग का परिचलन (प्राइवेटेंटिंग) देना होगा कि उन्होंने प्रपते कार्यालय/विभाग के अधिकारों को विवित रूप में यह सुनिश्चित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को इयान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके विधिकों से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अनितम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उनके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ एडमिशन) न हो।

11. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में विवरित कीस ऐसी होती है:

12. जिस उम्मीदवार में:-

(1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन द्वापत्र किया है, अथवा

(2) साम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा

(3) किसी अन्य व्यक्ति से छब्द रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा

(4) जाली प्रमाण पत्र या प्रगाण पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिसमें तथ्यों को छिपाया गया हो, अथवा

(5) गलत या झूठे वक्तव्य दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहाय लिया है, अथवा

(7) परीक्षा के समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या

(8) उत्तर पुस्तकालिखों पर असंगत जावें लिखी हों, जो अलील भाषा में अभद्र भाषण की हों, या

(9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का तुरंतवहार किया हो,

(10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या उन्हें अन्य प्रकार की सारी रैक्षि धर्ति पहुंचाई हो,

(11) उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,

(12) उपर्युक्त घट्ठों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए अवधिग्रहित किया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रातीक्यपूर्ण) चलाया जा सकता है और उनके साथ ही उसे:-

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अपीय ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए--

(1) आयोग द्वारा भी जाने वाली किसी भी तौकरी द्वारा विभिन्न प्रकार के लिए

(2) केवलीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी तौकरी द्वारा विभिन्न प्रकार के लिए

(ग) यदि यह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विवर उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है:

किसी पार्ट यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक--

(1) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अध्यावेदन जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और

(2) उम्मीदवार द्वारा अनुमति समय में प्रस्तुत अध्यावेदन पर यदि कोई हो, विभार न कर दिया गया हो।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अनितम रूप से दिए गए कुल प्रातिक्रियाओं के आधार पर उनके योग्यता क्रम के अनुसार उनके बार्मी भी सूची बनायेगा और इस परीक्षा का परिणाम निकासने पर जितनी अनारक्षित जाली जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उतने ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुरक्षित की जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य माने गये हों:

परस्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जालियों और अनुसूचित जन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तथा अनुसूचित जालियों व्यवस्था अनुसूचित जन जातियों के लिए उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में भर्मी पूरी करने के लिए आयोग द्वारा स्थार में सूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता-क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति-के लिए अनुरक्षित किए जा सकेंगे, बरते कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त हों।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में फिस प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

15. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं के अध्यधीन परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा विस्तृत आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिए बताये गये वरीयता क्रम पर चिह्नित व्याप्ति दिया जायेगा। पह आवेदन पत्र आयोग द्वारा उसको तभी दिया जाएगा जब यह उक्त परीक्षा के परिणाम के आधार पर अनितम रूप से अर्हता प्राप्त घोषित कर दिया जाता है।

16. नियुक्तियों दो बर्ष की परीक्षाका प्रवधि पर की जाएगी या [आवश्यक समझा गया तो परीक्षाका प्रवधि बढ़ाई जा सकेगी।

17. उम्मीदवार को सहायक प्रेड में उनकी नियुक्ति की तारीख से दो बर्ष की प्रवधि के भीतर क्रम से क्रम 30 शब्द प्रतिमिनट की गति से अंग्रेजी टाइपिंग या 25 शब्द प्रति मिनट की गति से हिन्दी टाइपिंग पास करने होगी यदि वे नियारित भवधि के भीतर परीक्षा पास न कर सकें तो वह सहायक प्रेड में आगे बैठन वृद्धि पाने के तब तक हृक्षार नहीं होंगे जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास न कर सकें या उन्हें किसी विकास या सामान्य आदेन के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से सूट न दी जाये और परीक्षा पास कर सकें पर या उससे सूट मिल जाए तो उनका बैठन वृद्धि रोकी हो नहीं गयी यो परस्तु जितनी प्रवधि के लिए बैठन वृद्धि रुकी ही नहीं उस प्रवधि का बढ़ाया बैठन उन्हें नहीं दिया जायेगा।

18. जिन व्यक्तियों ने:-

(क) ऐसे व्यक्ति से विचार या विचार अनुबन्ध किया है जिसका जीकित पति/पति पहले से है, या

(ब) श्रीवित परि/पल्सी के द्वारे हुए किसी से विवाह या विवाह अनुबंध किया है तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पाल नहीं माना जायेगा। परस्तु यदि केवलीय सरकार इस बात से समुच्छ छोड़ जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सुल के द्वारे पर सार्व द्वारे वाले व्यक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अग्र कारण भी है तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

19. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उनमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के स्व में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि गवान अधिकारी द्वारा विवित डाकटरी परिकार के बाद किसी उम्मीदवार के घारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन घटों को पुरी नहीं कर सकता है तो उसी नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों को डाकटरी परिकार की जायेगी जिनकी नियुक्ति के सम्बन्ध में विचार किये जाने की संभावना है।

20. परीका में पास हो जाने से ही नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार आवश्यकते इस बात से नामुच्छ हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्णता की दृष्टि से इन सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

21. भारतीय विदेश सेवा (ब) रेलवे बोर्ड संविधानसभा के नियम संविधानसभा सेवा और समाज सेवा सम्बन्धित सिविल सेवा में सहायकों के पदों की सेवा की भाँति परिषिक-II में संविधान में वी गयी है।

मुमदा एस०, अवर सचिव

परिषिक-I

(परीका की योजना)

महत्वपूर्ण टिप्पणी:

संघ स्तर के सेवा आयोग ने गहायक मेड परीका की पूर्व योजना को अधिक वस्तुपरक तथा अधिक प्रश्नान्वयन की विभान्न प्रणाली से केवल वस्तुपरक प्रकार की परीका से संबोधित कर दिया है। परीका की पूर्व योजना में आर प्रश्नान्वय होने थे। (i) नियम (ii) अधिकारी दो भागों में, जिसमें भाग-I में केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होते थे तथा भाग-I और भाग-II में परम्परागत प्रकार के प्रश्नपत्र होते थे। (iii) गणित जिसमें वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र होते थे तथा (iv) सामाज्य ज्ञान, जिसमें वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र होते थे। नई संबोधित योजना जिसे 1988 में आयोजित की जाने वाली सहायक मेड परीका, 1987 से प्रारम्भ किया जा रहा है, उसमें केवल वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नपत्र होते तथा इसमें नीन प्रश्नपत्र होते हैं। (i) गणित (ii) सामाज्य ज्ञान तथा (iii) भाषा प्रश्नपत्र-I (सामाज्य अधिकारी) या भाषा का प्रश्नपत्र II (सामाज्य अधिकारी तथा हिन्दी) ये नीचे दिए गए विवरण के अनुसार होते हैं।

परीका के विषय, अनुसित समय तथा प्रत्येक विषय के लिए अधिकतम अंक निम्न प्रकार से होते हैं।

प्रश्नपत्र	विषय	गोड संख्या	अधिकतम अंक	अनुमित समय
प्रश्न पत्र-I	गणित	01	150 अंक	2/1/2 घंटे
प्रश्न-पत्र-II	सामाज्य ज्ञान	02	150 अंक	2/1/2 घंटे
प्रश्न-पत्र-III	भाषा-I (सामाज्य अधिकारी)	03	200 अंक	3 घंटे
	भाषा भाषा-II	04	200 अंक	3 घंटे
	सामाज्य अधिकारी			
	भाषा हिन्दी			

2. परीका का पाठ्य विवरण साथ संलग्न अनुसूची में दिया गया है।

3. गमी विषयों के प्रश्न पत्र वस्तुपरक प्रकार के प्रश्नों के होते हैं। अंकगणित तथा सामाज्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (प्रश्न पुस्तिका) हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में होते होते हैं।

4. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होते हैं। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अग्र व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं ही जाएगी।

5. आयोग अपनी विशेष पर परीका के किसी एक सभी विषयों के अनुकूल (वालोंकारी अंक) निर्धारित कर सकता है।

6. प्रश्न पत्र, जहां आवश्यक हों, तो उसे और मापों को मीट्रिक प्रणाली के सम्बन्धित प्रकार पृछे जायेंगे।

7. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए केलुकलटरी का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः व उन्हें परीका भवन में न लायें।

अनुसूची

परीका की पाठ्यवस्तु

(1) अंकगणित (कोड सं. 01) --संलग्न आरेयों, प्रारम्भिक सामिक्षण तथा अंकगणित के ज्ञान पर अधिक बहु दिया जाएगा।

(2) सामाज्य ज्ञान :—गिरफ्तारी भारत का भूगोल भी ज्ञानित है (कोड सं. 02) सामाजिक घटनाओं का ज्ञान का जो कुछ हम प्रतिविन देखते हैं और अनुभव करते हैं उनके वैज्ञानिक पर्यायों का ज्ञान जो एक सामाजिक पद्धतिक आदर्शों को होना चाहिए जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। हम प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल सम्बन्धी प्रश्न पूछे जाएंगे। इन प्रश्न-पत्र में भारतीय इतिहास से संबंधित ऐसे प्रश्न भी पूछे जाएंगे जिनमें उत्तर उम्मीदवार विना किसी विशेष अध्ययन के ही दे सकते हैं।

(3) भाषा प्रश्न पत्र :—भाषा प्रश्न-पत्र I सामाज्य अधिकारी का प्रश्न पत्र होगा जो स्तरक स्तर का होगा। भाषा प्रश्न-पत्र II में 50 प्रतिशत प्रश्न भाषा प्रश्न-पत्र I की तरह समाज्य अधिकारी के एवं 50 प्रतिशत प्रश्न उसी स्तर प्रश्न प्रकार के हिन्दी में होंगे।

भाषा प्रश्न-पत्र इस प्रश्न पत्र का होगा जिसमें उम्मीदवारों की सम्बन्धित भाषा (ओं) की समझने और उसे सही तथा प्रभावूर्ण इंग से प्रयोग करने की योग्यता का पता लग सके।

परिषिक-II

उन सेशनों/परों सम्बन्धित विवरण जिनके लिए इस परीका के द्वाय भर्ती की जा रही है :—

(1) भारतीय विदेश सेवा (ब) विदेश संवालय में भी और विदेश लिंग भारतीय राजनीय कांसिलर मिशनों व केन्द्रों में सहायकों के सभी पत्र तथा अधिकारी प्रश्न-पत्र में सहायकों के कुछ पत्र भारतीय विदेश सेवा (ब) के सामाज्य संबंधों के देश-IV में सम्मिलित हैं। देश IV भी देशों को

भौद्धक भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संबंध के विभिन्न प्रैषः
निम्नलिखित है :-

प्रैषः	पदनाम	वेतनमाप्ति
प्रैष-1	मूल्यालयों में अवर सचिव विदेश स्थित मिशनों प्रौद्योगिक पर	रु. 3000-100-3500-4500
	प्रथम और द्वितीय सचिव	
प्रैष-2	मूल्यालयों में सहायी	रु. 2000-60-2300-द. रो.-75-2900-100-3500
प्रैष-3	(अनाधीन) और अनुभाग अधिकारी विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों में उप कामूल और राजिस्ट्रार	
प्रैष-4	मूल्यालयों में तथा विदेश सेवा स्थित मिशनों प्रौद्योगिक पर	रु. 1400-40-1600-50-2300-द. रो. सहायक
		60-2600

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संबंध के प्रैष-IV में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को यो वर्ष परिवीक्षाधीन रखा जाएगा। इस बीच उन्हें ऐसे प्रशिक्षण देने होंगे और ऐसी परीक्षाएँ पास करनी होंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित की गयी हों। प्रगतिशीलता के दौरान संतोषजनक प्रगति न करने अवश्य परीक्षाएँ पास न करने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति को नीकरी से निकाला जा सकता है।

3. परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की यदि में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि की जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय सचिवालय सेवा और अन्य किसी सेवा संबंध में शामिल पदों पर नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं होगा। उसके अतिरिक्त ऐसे सभी व्यक्ति जो चाहे भारत में अवश्य विदेश में किसी पद पर नियुक्त किए जाएं सेवा करने को वाध्य होंगे।

5. विदेशों से सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों को मूल वेतन के अतिरिक्त संबंध देवों में निर्धारित व्यय यादि अनुसार समय-समय पर स्वाकृत की जाने वाली दरों पर विदेश सेवा भत्ता भी दिया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (पी. एल. सी. ए.) नियमाला, 1961 के अनुचार जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों पर साधू हो गई है, विदेशों में सेवा के दौरान निम्नलिखित व्ययों की साहूय है :-

- (1) सरकार द्वारा निर्धारित मान के अनुसार सुसंजित नियुक्त आवास;
- (2) सहायता प्राप्त चिकित्सा परिवर्यों योजना के अन्तर्गत निकिता परिवर्यों सुविधाएँ;
- (3) नियंत्रित नियमों के अनुसार अधिकारियों द्वारा उनके परिवारों के लिए गृह अवकाश-यात्रा;
- (4) सरकार द्वारा प्राप्त परिवारित भागीदारी जैसे भारत में (किसी निकू संबंधी की भूम्य अवश्य गंभीर दीमार्ये के सम्म भारत जाने वाले विदेश में कार्यस्थल पर या यस लौटने के

लिए जाने-जाने या एकत्र हुआई वाला व्यय जो पूरी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक हो यार भिन्न हो।

- (5) भारत में क्षेत्रीय भौतिक संस्था में अध्ययनरत 6 से 22 वर्ष तक वाले आयु के वज्रों को कुछ जारी पर लूटिरों के दौरान अन्य भाग-प्रिया के पास अनेकाने के लिए वापिस हुए-हुक्ता व्यय;
- (6) उक्त अधिकारी को विदेश में तीनती स्थल पर अध्ययनरत 5 से 18 वर्ष तक की आयु तक के वज्रों की यात्रा का व्यय जो अधिकतम दो वज्रों तक नियत; गुठ जारों के अवैन सरकार द्वारा बहुत किया जाता है;
- (7) विदेशों में प्रति तीनती पर रु. 2000/- परियात्ता भत्ता जो सारी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक 3 अवश्यरों तक मिलता।

6. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त सभी अधिकारी भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवार्ग, वरिष्ठता, और पदोन्नति), नियमाला, 1964 के अनुचार अवश्य ऐसे नियमों से द्वितीय संबंधित विदेशों के अधीन होंगे जो सरकार भविष्य में बनाये और उक्त सेवा पर लागू करे।

7. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संबंध सहायक प्रैष में नियुक्त व्यक्ति, भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवार्ग वरिष्ठता और पदोन्नति), नियमाला, 1969 में समाप्ति उपबन्धों के अनुसार उच्च प्रैषों में पदोन्नति पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी:-भारतीय विदेश सेवा (भर्ती, संवार्ग वरिष्ठता और पदोन्नति) नियमाला, 1964 के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ख) के प्रैष-1 के अधिकारियों के लिए भारतीय विदेश सेवा (क) के रु. 3200-100-3700-125-4700 के वरिष्ठ वेतनमान में पदोन्नति के लिए सीमित कोटा उपलब्ध है।

(2) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा:-

ऐसे बोर्ड सचिवालय सेवा के इस समय निम्नलिखित 4 प्रैष हैं:-

1. चयन प्रैष (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)-
रु. 3700-125-4700-150-5000
2. प्रैष-1 (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)-
रु. 3000-100-3500-125-4500
3. अनुभाग अधिकारी प्रैष--
रु. 2000-60-2300-द. रो.-75-3200-100-3500
4. सहायक प्रैष--
रु. 1400-40-1600-50-2300-द. रो.-60-2600

सहायक के रूप में सीधे भर्ती हुए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे जिसके दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसी परिवीक्षाएँ केती होंगी जो सरकार निर्धारित करे यदि वे प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिया जाए तो और परीक्षाएँ पास न कर सकें तो परिवीक्षाधीन व्यक्ति को सेवामुक्त किया जा सकता है।

परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन व्यक्ति को उनकी नियुक्ति पर पक्का कर दिया जाता है, या सरकार की यदि में उनका राय में भारतीय संतोषजनक न रहा हो तो सरकार इसी या नीचे सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा की अवधि को जितना नीचे समझे और वह बढ़ा सकती है।

उक्त सेवा के सहायक देव में भर्ती हुए अधिकारी इस संबंध में समय-समय पर प्रभावी नियमों के अनुसार अगले उच्चतर देव में पदोन्नति के पात्र होंगे ।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा रेल विभाग तक ही सीमित है और इसके कर्मचारी, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के कर्मचारियों की तरह अम्ब गंगालयों में स्थानान्तरित नहीं किए जा सकते हैं ।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के इन नियमों के अन्तर्गत भर्ती हुए अधिकारी:-

(1) वेणुन लाभ के पात्र होंगे, और

(2) गैर अंगदायी राज्य रेलवे अधिकारी नियम के नियमों के अन्तर्गत उक्त नियम में अंगदान करेंगे जो कि रेल कर्मचारियों पर उनके सेवा में सम्मिलित होने की तारीख से लागू हो जाते हैं ।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियुक्त कर्मचारी रेलवे बोर्ड द्वारा समय समय पर जारी अवैश्वेषों के अनुसार पास और पी.टी.ओ. के हकदार होंगे ।

जहाँ तक सूची और सेवा की अम्ब शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों को रेलवे के अन्य अधिकारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु विकल्प सुविधाओं के मामले में उन पर वे ही नियम लागू होते हैं जो केन्द्रीय सरकार के उन अम्ब कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनके मुख्यालय नई विली में हैं ।

(3) केन्द्रीय सचिवालय सेवा:-

केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे लिखे 4 देव हैं--

(1) चयन (रेलवेशन देव) (उप सचिव या समकक्ष अधिकारी)--
र. 3700-125-4700-150-5000

(2) देव-1 (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी)--
र. 3000-100-3500-125-4500

(3) अनुसार अधिकारी देव--
र. 2000-60-2300-द.रो.-75-3200-100-3500

(4) सहायक देव--
र. 1400-40-1600-50-2300-द.रो.-60-2600

(2) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों को दो वर्ष तक परिवीक्षा पर रखा जाएगा । इस परिवीक्षा अवधि में उनको सरकार द्वारा नियोजित प्रशिक्षण लेना होगा और विमानीय परिवार पास करनी होती है । यदि परिवीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परिवार पास न कर सकें तो परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवामुक्त किया जा सकता है ।

(3) परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकती है या सरकार की राम में उम्मका कार्य या आचरण संसोधनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसी परिवीक्षा अवधि को, जितना अवधि समझे और बढ़ा सकती है ।

(4) केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा में शामिल किसी एक मंत्रालय या कार्यालय में नियुक्त किया जा सकता है । यथापि उन्हें किसी भी समय किसी अन्य सचिवालय या कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा सकता है ।

(5) सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार उच्च देवों में पदोन्नति के पात्र होते ।

(6) जिन अधिकारी को उक्ते अपने ही दिक्षिण तौर पर जागार पर लेन्वीय गविवालय सेवा के सहायक देव में नियुक्त किया गया हो, वे अपनी इस नियुक्ति के बाय जिसी अम्ब संदर्भ (कैडर) के किसी पर पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का बाबा नहीं कर सकते ।

(4) संस्कृत सेवा मुख्यालय सिविल सेवा :- संस्कृत सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में पांच देव हैं जो इस प्रकार हैं--

निवेशक	देव	वेतनमात्रा
चयन देव (संयुक्त निवेशक या बरिल)	र. 4500-150-5700	
प्रिविलियन स्टाफ अधिकारी	र. 3700-125-4700-150-5000	
प्रिविलियन स्टाफ अधिकारी	र. 3000-100-3500-125-4500	
सहायक प्रिविलियन स्टाफ अधिकारी	र. 2000-60-2300 द.रो.-75-3200-100-3500	
सहायक	र. 1400-40-1600-50-2300-द.रो.-60-2600	

(2) जिन अधिकारियों की सहायक के रूप में सीधी भर्ती की जाएगी वे दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रखेंगे जिनके दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण लेना होगा तथा ऐसे विमानीय परीक्षण उत्तीर्ण करने होते हैं जैसा कि सरकार द्वारा नियोजित किया जाए । परीक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने पर अथवा उक्त परीक्षणों में उत्तीर्ण न होने पर परिवीक्षाधीन अधिकारी को सेवा से कार्यमुक्त किया जा सकता है ।

(3) परिवीक्षा अवधि की समाप्ति पर सरकार परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की राम में उत्का कार्य या आचरण संसोधनक रहा है तो या तो उसे सेवा से मुक्त किया जा सकता है या उसकी परिवीक्षा अवधि ऐसी आगे की अवधि के लिए बढ़ायी जा सकती है जो भी सरकार उचित समझे ।

(4) संस्कृत सेवा मुख्यालय सिविल सेवा में भर्ती किए गए सहायकों की तैनाती संस्कृत सेवा मुख्यालय सिविल सेवा योजना में सहभागी अन्तः सेवा संगठन के किसी एक सेवा मुख्यालय में की जाएगी । किन्तु उन्हें किसी भी समय किसी अन्य ऐसे मुख्यालयों या कार्यालय में स्थानान्तरित किया जा सकता है ।

(5) सहायक इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार उच्च देवों में पदोन्नति के पात्र होते ।

(6) संस्कृत सेवा मुख्यालय सिविल सेवा के सहायक देव में नियुक्त किए गए अधिकारियों का ऐसी नियुक्ति के बाबा उन पदों जो उक्त सेवा में सम्मिलित नहीं हैं, पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का कोई हक नहीं होगा ।

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING

New Delhi, the 21st November, 1987

RULES

No. 6|13|87-CS (I).—The Rules for a competitive examination viz., Assistants Grade Examination, 1987 to be held by the Union Public Service Commission in 1988 for the purpose of filling vacancies in the following Services/Posts are published for general information :—

(i) Grade IV (Assistants) of General Cadre of the Indian Foreign Service (B) ;

- (i) Assistants' Grade of the Railway Board Secretariat Service ;
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service ;
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Services ; and
- (v) Posts of Assistant in other Departmental organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the IFS (B)|Railway Board Secretariat Service|Central Secretariat Service|Armed Forces Headquarters Civil Service.

1. A candidate may compete in respect of any one or more of the Services|Posts mentioned above.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be as specified in the Notice issued by the Commission. Resrvations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East from African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe shall be permitted more than three attempts at the examination. The restriction is effective from the examination held in 1962.

NOTE 1 :—For the purpose of this rule, a candidate shall be deemed to have made an attempt

at the examination once for all the Services|Posts covered by the examination if he competes for any one or more of the Services|Posts.

NOTE 2 :—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 3 :—Notwithstanding the disqualification|cancelation, the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

6. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st January, 1987, i.e. he must have been born not earlier than the 2nd January, 1962 and not later than the 1st January, 1967.

(b) The upper age limit will be relaxable upto the age of 30 years in respect of LDCs|UDCs|Stenographers Grade D with not less than 3 years continuous and regular service on 1st January, 1987 in the various Departments|Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the Office of the Election Commission and the Central Vigilance Commissions or in the Lok Sabha|Rajya Sabha Secretariat.

Candidates holding posts, which are not designated as LDCs|UDCs|Stenographers Grade D will not be eligible for age relaxable under this sub-rule, even though the posts held by them are in identical pay scale.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe ;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 ;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 ;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 ; or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 ;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate or prospective repatriate of India origin from Sri Lanka and has migrated to

- India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 ;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of India origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 ;
- (vii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of India origin from Burma and **has migrated to India or after 1st June, 1963** ;
- (viii) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia ;
- (ix) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (x) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof ;
- (xi) upto a maximum of eight years in the case of Defence services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes ;
- (xii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport Holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975 ;
- (xiii) upto a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and also is a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975 ;
- (xiv) upto a maximum of 5 years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECO's|SSCO's who have rendered at least 5 years Military Service as on 1st January, 1987 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1987, otherwise than by way of dismissal or discharge or on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment ;
- (xv) upto a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECO's|SSCO's who have rendered at least five years Military Services as on 1st January, 1987 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1987), otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes ;
- (xvi) upto a maximum of 5 years in case of ECO's|SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1987 and are retained in the Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issued a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment ;
- (xvii) upto a maximum of 10 years in case of ECO's|SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1987 and are retained in the Military Service thereafter and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on securing civil employment, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes ;
- (xviii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 ;
- (xix) upto a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile West Pakistan and that migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 ;
- (xx) upto a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985 ;
- (xxi) upto a maximum of eleven years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period

from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

NOTE :—Ex-servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing of the benefits given to them as ex-servicemen for their re-employment, are not eligible to apply under Rule (c) (xiv) and (xv) of the Rules.

**SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE
LIMITS PRESCRIBED CAN IN
NO CASE BE RELAXED**

NOTE :—The candidature of a person who is admitted to the examination under Rule 6(b) shall be cancelled if after submitting his application he resigns from Service or his services are terminated by his Department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible, if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

An LDC|UDC|Stenographer Grade D who is on deputation to an excadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from where he is transferred will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possesses an equivalent qualification.

NOTE I :—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree will also be eligible for admission to the examination.

NOTE II :—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educational qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible to apply for admission to the commission's examination.

NOTE III :—In exceptional cases, the United Public Service commission may treat a candidate who has not any of the above qualifications, as educationally qualified provided that he passed an examination conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

8. All candidates in Government service whether in a permanent or in a temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or duty daily rated employees, or those serving under Public

enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office|Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected|candidature shall be cancelled.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidates must pay fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means ; or
- (ii) impersonating ; or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language, or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate ; or

- (b) to be debarred, either permanently or for specified period :—
- by the Commission, from any examination or selection held by them ;
 - by the Central Government, from any employment under them ; and
 - if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules ;

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf ; and
- taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services|posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15. Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given at the time of making appointment on the result of the examination, to the preference expressed by a candidate for various Services|Posts in the detailed application form which will be supplied to him by the Commission if he is declared finally qualified on the results of the examination.

16. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended if considered necessary.

17. Candidates will be required to pass a test in typewriting at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi within a period of two years from the date of appointment to the Assistant's Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed period, they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistant's Grade until they pass such test or are exempted from this requirement under a special or general order ; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be refixed as if their increments had not been withheld, but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

18. No person :—

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living ; or
- who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service :

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

19. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

20. Success at the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service|Post.

21. Conditions of Service for Assistants in the Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, the Central Secretariat Service and the Armed Forces Headquarters Civil service are briefly stated in Appendix II.

APPENDIX—I

(The scheme of the Examination)

IMPORTANT NOTE :—

Union Public Service Commission have revised the previous scheme of the Assistant's Grade Examination from the existing pattern of partly objective and partly conventional to only objective type of examination. The previous scheme of the examination comprised four papers (i) Essay, (ii) English in two parts Part I consisting of objective type questions only part I and Part II as a conventional type of paper (iii) Arithmetic consisting of objective type papers and (iv) General Knowledge consisting of objective type question papers. The new revised scheme which is being introduced from the Assistant's Grade Examination, 1987 to be held in 1988 will consist of only objective type papers and consist of three papers (i) Arithmetic (ii) General Knowledge and (iii) Language Paper—I (General English) or Language paper II (General English and Hindi) as per details given below :

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper	Subject	Code No.	Max. Marks	Time allowed
Paper I	Arithmetic	01	150 marks	2-1/2 hours
Paper II	General Knowledge	02	150 marks	2-1/2 hours
Paper III	Language I (General English) OR	03	200 marks	3 hours
	Language II (General English and Hindi)	04	200 marks	3 hours.

2. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

3. The papers in all the subjects will consist of objective type questions only. The question papers (Test Booklets) in Arithmetic and General Knowledge will be set both in English and Hindi.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. In the question papers, wherever necessary questions involving numerals the Metric System of weights and measures only will be set.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

SYLLABUS OF THE EXAMINATION

(1) Arithmetic (Code No. 01) :—There will be greater emphasis on understanding of numbers, graphs, elementary statistics and arithmetic.

(2) General Knowledge including Geography of India (Code No. 02) :—Knowledge of current events and of such matters of every day observations and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature, which candidates should be able to answer without special study.

(3) Language Paper :—

Language I paper will be paper in General English of Graduate standard. Language II paper will consist of 50 per cent question in General English as in language I and 50 per cent question in Hindi of the same standard and nature.

Language paper will be designed to test the candidates ability to understand and use the language (s) correctly and effectively.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Service Posts to which recruitment is being made through this examination.

(i) Indian Foreign Service (B) :—All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular Missions and Posts abroad, and a few posts of Assistants in the Ministry of Commerce are included in Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV, are as follows :—

Grade	I	Designation	Scale of pay
Grade I	Under Secretaries at HQRs First and second Secretaries in Missions and posts abroad .	3000-100-3500-125-4500	
Integrated	Attache and Section Officer		
Grades II & III	at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions and Posts abroad	2000-60-2300-EB-75-2900-100-3500	
Grade IV	Assistants at Hqrs. and in Missions and Posts abroad	1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600	

2. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass

such tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the courses of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Person appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to posts including in the Cadre of the Central Secretariat Service or any other Service. Further, all such persons will be liable to serve in any posts either in India or abroad to which they may be posted.

5. During service abroad, IFS(B) officials, are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of, living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS (B) officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government ;
- (ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme ;
- (iii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules ;
- (iv) Return Single Air Passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of a near relation in India as may be defined by the Government ;
- (v) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 12 studying in regional educational institution of India to visit parents during vacation subject to certain conditions ;
- (vi) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions; and
- (vii) Outfit allowance Rs. 2,000/- per posting abroad subject to maximum of 8 occasions during the entire career.

6. All Officers appointed to the IFS(B), will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also to other rules and regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the IFS(B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the Provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

NOTE :—In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, a limited quota is available to officers in Cadre I of the Indian Foreign Service (B) for promotion to the Senior scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of pay of Rs. 3200-100-3700-125-4700.

(ii) The Railways Board Secretariat Service :—The Railways Board Secretariat Service has at present 4 grades as follows :—

1. Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
2. Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Section Officers Grade Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.
4. Assistants Grade Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600.

Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

Persons recruited to Assistants' Grade of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

The Railways Board Secretariat Service is continued to the Department of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Service.

Officers of the Railway Board Secretariat Service recruited under these rules :

- (i) will be eligible for pensionary benefits ; and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they joined the service.

The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Service will be entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

As regards leave and other conditions of service, staff including in the Railway Board Secretariat Service are treated in the same way as other railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iii) Central Secretariat Service :—The Central Secretariat Service has at present four grades as follows :—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (2) Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- (3) Section Officers Grade Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.
- (4) Assistants Grade Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their

opinion for that Service will not, after such appointment, have any claim for transfer or appointment to any post included in any other cadre.

(iv) The Armed Forces Headquarters Civil Service :—The Armed Forces Headquarters Civil Service has at present five grades as follows :—

Grade	Scale of pay
(1) Director	Rs. 4500-150-5700
(2) Selection Grade (Joint Director or Senior Civilian staff officer) Group A	Rs. 3700-125-4700-150-5000
(3) Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 3000-100-3500-125-4500
(4) Assistants Civilian Staff Officer (Group-B-Gazetted)	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500
(5) Assistants	Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600

(2) Persons recruited direct as Assistant will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may be either discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter Service Organisations, participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to post not included in that Service.